ऑर्गेनिक हल्दी के खोखले दावे

सामान्य हल्दी - सस्ती और सुरक्षित

ऑर्गेनिक (जैविक) खाद्य पदार्थ उनके प्रचारित स्वास्थ्य लाभ की वजह से देश में तेजी से लोकप्रिय होते जा रहे हैं। क्या वे सुरक्षित हैं? उनके स्वास्थ्य के दावे कितने सच हैं? भारत में ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के लिए कोई गुणवत्ता मानक नहीं हैं। उपभोक्ता को कैसे यकीन हो कि वह जो उत्पाद खरीद रहे हैं वे सही मायने में ऑर्गेनिक हैं?

इनमें से कुछ सवालों के जवाब पाने के लिए, हमने कीटनाशकों के अवशेष (पेस्टिसाइड रेसिड्यू) और भारी धातुओं की उपस्थिति के लिए ऑर्गेनिक हल्दी पाउडर के छह राष्ट्रीय ब्रांड का परीक्षण किया। हमने तुलना के लिए दो नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड का भी परीक्षण किया। निष्कर्ष काफी चौंकाने वाले थे। नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड ने परीक्षण में बेहतर प्रदर्शन किया!

संक्षेप में

- **ऑर्गेनिक हल्दी ब्रांड में भारी धातु पायी गई**
- **नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड ने परीक्षण में बेहतर किया**
- **ऑर्गेनिक ब्रांड 262% तक महंगा**

परीक्षण के चौंकाने वाले निष्कर्ष

तीन ऑर्गेनिक ब्रांड में **तांबा** अनुमत स्तर से अधिक था। **फैबइंडिया** में 5.0 mg/kg की सीमा के सामने यह 7.20 mg/kg के उच्चतम स्तर पर था। **आर्सेनिक** भी चार ब्रांड में सुरक्षित सीमा से अधिक पाया गया। जबकि मानक सीमा 0.1 mg/kg (अधिकतम) है, **असल** में 0.52 mg/kg का उच्चतम स्तर था। *(विवरण के लिए तालिका देखें)*

दो नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड न केवल कीटनाशकों से मुक्त थी, बल्कि भारी धातुएं सीमा के भीतर थी।

ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ क्या हैं?

प्रक्रिया मानकों को प्रमाणित करने वाले राष्ट्रीय ऑर्गेनिक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अनुसार, 'ऑर्गेनिक उत्पादों को पर्यावरण और सामाजिक रूप से जिम्मेदार दृष्टिकोण के साथ रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग के बिना की कृषि प्रणाली से उगाया जाता है।'

आठ ब्रांड में से किसी में भी कीटनाशक अवशेष नहीं पाये गये। वे **टिन** से भी मुक्त थे। सभी ब्रांड में **ज़िंक, पारा** और **कैडमियम** सीमा के भीतर थे। एक नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड, **एवरेस्ट** में **लेड** था, लेकिन सीमा के भीतर था।

उच्च कीमत

हो सकता है कि आप ऑर्गेनिक हल्दी पाउडर के लिए 262% अधिक भुगतान करते हों (*तालिका देखें*)। ऑर्गेनिक हल्दी ब्रांड की कीमत 25 रु. से 85 रु. प्रति 100 ग्राम के बीच है। दो नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड की कीमत 22 रु. और 25 रु. प्रति 100 ग्राम थी। इस तरह की आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली वस्तु की कीमत में इतना अंतर क्यों है?

हल्दी क्यों?

हल्दी भारतीय पाक शैली में एक अनिवार्य और महत्वपूर्ण मसाला है और भोजन में स्वाद और रंग बढ़ाने का एक स्वास्थ्यप्रद तरीका है। हल्दी से मिलने वाले कर्क्युमिन में शक्तिशाली एंटी-इनफ्लेमेटरी गुण हैं और यह जोड़ों के दर्द को भी कम करता है। यह छाती की जलन को दूर करने, दिल के दौरे और मधुमेह को रोकने, अल्ज़ाइमर रोगियों में याद्दाश्त सुधारने और यहां तक कि कैंसर से लड़ने के लिए जाना जाता है।

स्वास्थ्य निहितार्थ

लंबी अवधि के लिए **तांबा** की अत्यधिक मात्रा का सेवन पुरुष नपुंसकता, लीवर की क्षति, गुर्दे की तकलीफ, कोमा और मौत का कारण बन सकता है। लंबी अवधि तक भोजन में उपस्थित **आर्सेनिक** के सेवन से कैंसर, त्वचा के घाव, विकासात्मक प्रभाव, हृदय रोग, न्यूरोटॉक्सिसिटी और मधुमेह हो सकता है।

अपर्याप्त लेबलिंग

उचित लेबलिंग से उपभोक्ता सूचित चयन कर सकते हैं। सभी ब्रांड ने खाद्य सुरक्षा और मानक (पैकेजिंग और लेबलिंग) विनियम, 2011 के अनुसार अधूरी जानकारी दी थी। **असल** का प्रदर्शन सबसे खराब था और वह सभी मानदंडों का उल्लंघन करता था। **असल** उत्पाद प्लास्टिक पैकेट में पैक किया गया था और वजन जानकारी हाथ से लिखी थी। **विकल्प** में केवल वजन, मूल्य और निर्माता के पते का उल्लेख था।

ईकोमार्क: सभी ब्रांड ने पैकेजिंग के लिए पॉलिथीन बैग का इस्तेमाल किया। पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए निर्माताओं को ईकोमार्क मानदंडों का पालन करना चाहिए। छह ब्रांड में से किसी के पास भी ईकोमार्क प्रमाणीकरण नहीं था।

विभिन्न लोगो

कुछ ऑर्गेनिक ब्रांड पर कई प्रमाणीकरण लोगो थे, अक्सर विभिन्न देशों से। वास्तव में, **सात्विक** ब्रांड पर पांच लोगो थे - दो भारतीय और अमेरिका, दक्षिण एशिया और नीदरलैंड का एक-एक! भारत के अलावा, **मोरारका**

हल्दी पाउडर: जांच परिणाम

ब्रांड/मानक	रैंक	समग्र स्कोर[3] (%)	मूल्य/ 100g (रु.)	ऑर्गेनिक ब्रांड के लिए किया अधिक भुगतान[6] (%)	तांबा[4] mg/kg	आर्सेनिक[4] mg/kg	लेबलिंग स्कोर[5]
मानक सीमा[1] (NMT)[2]					5.0	0.1	
मोरारका	1	81	65	176.6	3.49	0	100
गोल्डन हार्वेस्ट (नॉन-ऑर्गेनिक)	2	71	25		4.51	0.05	100
एवरेस्ट (नॉन-ऑर्गेनिक)	3	68	22		4.57	0.08	100
विकल्प	4	61	33	40.4	4.31	0	25
24 मंत्रा	5	50	35	48.9	5.47	0.25	100
फैबइंडिया	6	46	85	261.7	7.20	0.18	100
सात्विक	7	34	46	95.7	5.71	0.44	100
असल	8	16	25	6.4	4.38	0.52	0
भार					40%	40%	20%

टिप्पणी

[1] खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषाक्त और अवशिष्ट) विनियम, 2011 द्वारा हल्दी पाउडर के लिए निर्धारित मानकों के अनुसार नमूनों का परीक्षण किया गया।

[2] NMT = से अधिक नहीं

[3] तालिका में दिखाये अनुसार भार देकर समग्र स्कोर की गणना की गई

[4] तांबा और आर्सेनिक कम बेहतर हैं। हाइलाइट किए सैल सीमा से अधिक दर्शाते हैं।

[5] लेबलिंग स्कोरः पांच कारकों - निर्माता या पैकर का नाम और पता; लोट सं./ कोड सं./बैच सं.; निर्माण और पैकिंग की तारीख; तिथि से पहले उपयोग/तिथि से पहले सर्वोत्तम; और खाद्य मिश्रकों के संबंध में घोषणा को बराबर भार देकर लेबलिंग स्कोर की गणना की गई है।

[6] % गणना के लिए औसत मूल्य रु. 23.50/100g लिया गया है।

सर्वश्रेष्ठ खरीदी

सर्वश्रेष्ठ

आप केवल ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ लेने के ही इच्छुक हैं, तो हम मोरारका की सलाह देते हैं क्योंकि इसमें कीटनाशक नहीं थे और भारी धातु सीमा के भीतर थी। हालांकि, आप पैसे बर्बाद नहीं करना चाहते तो गोल्डन हार्वेस्ट या एवरेस्ट ले सकते हैं। ये ब्रांड ऑर्गेनिक नहीं हैं, लेकिन इनमें सभी लाभ हैं।

और **24 मंत्रा** पर यूरोप, अमेरिका और जापान के प्रमाणीकरण थे। यह उपभोक्ताओं के लिए काफी भ्रामक है।

निर्माताओं की प्रतिक्रिया 6

सीईआरसी ने ऑर्गेनिक ब्रांड के निर्माताओं को उनकी राय जानने के लिए लिखाः उन्होंने इस प्रकार जवाब दियेः

असलः *"हमने एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) प्रमाण पत्र प्राप्त किया है और लेबलिंग मानदंडों को पूरा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।"*

विकल्पः *"हम प्रमाणीकरण में विश्वास नहीं करते। हमारा व्यापार किसानों के साथ आपसी विश्वास पर काम करता है।"*

सात्विकः *"किसान प्रमाणित हैं और हमें उन पर भरोसा है। हम उनके साथ भारी धातुओं की उपस्थिति के मुद्दे को उठाएंगे। हम उचित लेबलिंग की बात पर गौर करेंगे।"*

मोरारका ने कहा कि एफएसएसएआई को ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के लिए मानकों को अधिसूचित करने के लिए आगे आना चाहिए।

फैबइंडिया ने विस्तृत जानकारी मांगी। हमने परीक्षण के निष्कर्षों और नमूनों की जानकारी प्रदान की। कंपनी ने प्रेस में जाने तक हमारे प्रश्नों का जवाब नहीं दिया। **24 मंत्रा** ने भारी धातुओं की उपस्थिति पर हमारे प्रश्न का जवाब नहीं दिया।

दावे और तथ्य

ऑर्गेनिक ब्रांड अपने उत्पादों के बारे में कई दावे करती हैं, लेकिन हमारी जांच रिपोर्ट इनके विपरीत है। उदाहरण के लिए, **सात्विक और 24 मंत्रा** दोनों में आर्सेनिक और तांबा सुरक्षित सीमा से अधिक था। फिर भी **सात्विक** ने 'ऑर्गेनिक और प्राकृतिक, हानिकारक रसायनों से मुक्त, जीवन की गुणवत्ता में सुधार' होने का दावा किया था और **24 मंत्रा** ने दावा किया था कि यह 'ऑर्गेनिक शुद्धता के साथ स्वास्थ्य के जोखिम को कम करता है'! फिर, **फैबइंडिया** ने ऑर्गेनिक होने का दावा किया, लेकिन इसमें **आर्सेनिक** और **तांबा** सुरक्षित सीमा से अधिक था। **विकल्प** और **असल** ने ऑर्गेनिक होने का दावा किया, लेकिन साबित करने के लिए कोई लोगो या प्रमाणीकरण नहीं था।

नियामक अधिकारियों से अपील

- ऑर्गेनिक उत्पाद की स्पष्ट और विस्तृत परिभाषा दें।
- भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के लिए विशिष्ट अनिवार्य मानकों की स्थापना करें। *हमारी अपील के जवाब में, हमें एफएसएसएआई से एक पत्र मिला कि भारतीय मानक ब्यूरो ने ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थों के लिए मानकों को तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया है। मानकों को अंतिम रूप देने के बाद एफएसएसएआई द्वारा खाद्य सुरक्षा और मानक (संदूषक, विषाक्त और अवशिष्ट) विनियम, 2011 के तहत उनको अपनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।*
- निर्माताओं से लेबलिंग नियमों का पालन करवाना चाहिए और ईकोमार्क प्रमाणीकरण अनिवार्य करना चाहिए।
- ऑनलाइन बेचे जाने वाले सहित ऑर्गेनिक खाद्य गुणवत्ता की नियमित रूप से निगरानी करनी चाहिए।
- अलग-अलग देशों की विभिन्न ऑर्गेनिक प्रमाणीकरण लेबल उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं। एनपीओपी (राष्ट्रीय ऑर्गेनिक उत्पादन कार्यक्रम) प्रमाणन अनिवार्य बनाना चाहिए।
- ऑर्गेनिक उत्पाद निर्माताओं द्वारा किए गए विज्ञापन दावों की निगरानी करनी चाहिए।
- कुछ निर्माता प्रमाणीकरण नहीं लेना चाहते क्योंकि उन्हें इस प्रक्रिया में विश्वास नहीं है। सरकार को इस मुद्दे के समाधान के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है।

उपभोक्ता सर्वेक्षण

सीईआरसी ने एक सर्वेक्षण किया और पाया कि:

- 99% उत्तरदाता 'ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ' के बारे में जानते थे। जबकि ज्यादातर का मानना था कि वे 'प्राकृतिक' थे, 'उनमें कीटनाशक नहीं थे' और 'पर्यावरण के लिए अच्छे' थे, वहीं 'हर्बल' 'पारंपरिक' 'एंटीबायोटिक के बिना' वाले खाद्य भी ऑर्गेनिक होने के बारे में गलत धारणाएं शामिल थी।
- केवल 10% नियमित रूप से या कभी-कभी ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ खरीदते थे। लोग ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ इसलिए नहीं खरीदते क्योंकि वे महंगे थे, आसानी से उपलब्ध नहीं थे और उन्हें उत्पाद को मूल/स्रोत के बारे में संदेह था।
- ऑर्गेनिक सब्जियां और फल और उनके बाद पाउडर मसाले सबसे लोकप्रिय उत्पाद थे।
- 82% उत्तरदाताओं के लिए ऑर्गेनिक प्रमाणीकरण महत्वपूर्ण था, लेकिन 65% ऑर्गेनिक मानकों और लेबल के बारे में अवगत नहीं थे।
- 17% उत्तरदाताओं ने ऑनलाइन खरीदा।

ग्राहक साथी का निष्कर्ष

उपभोक्ताओं को लेबल के दावों और ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ से जुड़े स्वास्थ्य के महिमा-मंडल पर नहीं जाना चाहिए। हमारे परीक्षणों ने साबित किया कि हल्दी पाउडर के नॉन-ऑर्गेनिक ब्रांड सुरक्षित थे। वे काफी सस्ते भी थे। फिर, ऑर्गेनिक ब्रांड क्यों खरीदना है? ■